रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण.
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 372] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 16, 2009/अग्रहायण 25, 1931
No. 372] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 16, 2009/AGRAHAYANA 25, 1931

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 2009

निधन-सूचना

सं. 3/7/2009-पब्लिक.—भारत की राष्ट्रपति को 1 दिसम्बर, 2009 को नई दिल्ली में राजस्थान के राज्यपाल श्री एस. के. सिंह के दु:खद निधन की सूचना मिली है । श्री एस. के. सिंह के निधन से देश ने एक प्रतिष्ठित प्रशासक खो दिया है ।

2. आपका जन्म 24 जनवरी, 1932 को हुआ । आपने सेंट जॉम्स कालेज, आगरा से इतिहास, संस्कृत और हिन्दी में विशिष्टता के साथ स्नातक की डिग्री प्राप्त की । आपने आगरा विश्वविद्यालय से इतिहास में स्नातकोत्तर की डिग्री और एल एल बी की डिग्री प्राप्त की । आपने 1954 में भारतीय विदेश सेवा से अपना कैरियर शुरू किया । आप 1969-74 तक सबसे लंबे समय तक भारत सरकार के सरकारी प्रवक्ता रहे । आप जार्डन, लेबनान, साइप्रस, अफगानिस्तान, आस्ट्रिया और पाकिस्तान में भारत के राजदूत रहे । आपको फरवरी, 1989 में विदेश सचिव नियुक्त किया गया ।

3. आपने राष्ट्रमंडल और संयुक्त राष्ट्र की ओर से दक्षिण अफ्रीका, केन्या, अल्जीरिया, लेसोथो, मलावी और सियरा लियोन के आम चुनावों और श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव की निगरानी की । आप संयुक्त राष्ट्र महासभा, ई सी ओ एस ओ सी तथा मानवाधिकार आयोग में 19 भारतीय शिष्टमंडलों के सदस्य रहे । आप जी-77 के अध्यक्ष रहे तथा आपने वियना में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में भारत के गवर्नर के रूप में भी सेवा की ।

4. आप दिसम्बर, 2004 से सितम्बर, 2007 तक अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल रहे । आपने 6 सितम्बर, 2007 को राजस्थान के राज्यपाल का कार्यभार ग्रहण किया ।

5. आपने आगरा विश्वविद्यालय में इतिहास का अध्यापन किया । आप जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली की शैक्षणिक परिषद् के अतिथि प्रोफेसर और सदस्य रहे । आप अनेक सांस्कृतिक, शैक्षणिक और कॉरपोरेट संगठनों के निदेशक मंडल के न्यासी और सदस्य रहे । आपने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों, भू-राजनीति तथा सम-सामायिक घटनाक्रमों पर भारत और विदेशों में अनेक पत्र-पत्रिकाओं और समाचारपत्रों में लेख लिखे हैं । आप प्राय: टेलीविजन पर कमेन्टरी भी देते रहे ।

6. आप अपने पीछे अपनी पत्नी तथा दो पुत्र छोड़ गए हैं ।

गोपाल के. पिल्लै, गृह सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th December, 2009

OBITUARY

No. 3/7/2009-Public.—The President of India has learnt, with deep regret, about the sad demise of Shri S.K. Singh, Governor of Rajasthan, on December 1, 2009 at New Delhi. The death of Shri S.K. Singh has deprived the country of a distinguished administrator.

2. Born on January 24, 1932, Shri S.K. Singh obtained Bachelor's degree in History, Sanskrit and Hindi from St. John's College, Agra, with high honours. He received Master's Degree in History and LLB from Agra University. Shri Singh began his career in the Indian Foreign Service in 1954. He was the longest serving Official Spokesman of the Govt. of India from 1969-74. He was Ambassador to Jordan, Lebanon, Cyprus, Afghanistan, Austria and Pakistan. He was appointed Foreign Secretary in February, 1989.

3. Shri Singh monitored, for the Commonwealth and the United Nations, the general elections in South Africa, Kenya, Algeria, Lesotho, Malawi and Sierra Leone and the Presidential election in Sri Lanka. He has been a member of 19 Indian delegations to the UN General Assembly, ECOSOC and the Human Rights Commission. Shri Singh was President of the G-77 and also served as India's Governor on the Board of Governors of the International Atomic Energy Agency in Vienna.

4. Shri Singh was the Governor of Arunachal Pradesh from December, 2004 to September, 2007. He assumed charge as Governor of Rajasthan on September 6, 2007.

5. Shri Singh taught History at Agra University. He was a Visiting Professor and Member of the Academic Council of Jawaharlal Nehru University, Delhi. He was a trustee and member of the board of directors of numerous cultural, academic and corporate organizations. He contributed articles to many journals and newspapers in India and abroad on international relations, geopolitics and current developments. He was also a frequent television commentator.

6. Shri S.K. Singh is survived by his wife and two sons.

GOPAL K. PILLAI, Home Secy.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.